POLITICAL SCIENCE Dep.
B.A-2 (Sub.)

Dr. HUSNA ARA
Asst. Professor
Dr. L.K.V.D. College, Tajpur,
Samastipur

डेविड ईस्टन द्वारा प्रतिपादित व्यवस्था सिद्धांत

तुलनात्मक राजनीति में राजनीतिक व्यवस्था की संकल्पना का प्रतिपादन करने वाले विद्वानों में ईस्टन का नाम अग्रणी है। उन्होंने अपनी पुस्तक 'दि पोलिटिकल सिस्टम' में राजनीति विज्ञान में एक सामान्य व्यवस्था सिद्धांत का खाका प्रस्तुत किया। डेविड ईस्टन ने इसके माध्यम से राजनीतिक व्यवस्था को विश्लेषित कर सामान्य सिद्धांत निर्माण का प्रयास किया है।

ईस्टन के अनुसार राजनीतिक व्यवस्था क्रियाओं का समुच्चय है। राजनीतिक जीवन व्यवहार की एक ऐसी प्रक्रिया है जो राजनीतिक व्यवस्था के अंदर सतत् चलती रहती है। राजनीतिक व्यवस्था संस्थाओं एवं प्रक्रियाओं का एक जटिल समूह है। यह समाज के भीतर आधिकारिक मूल्यों का विनियोजन करती है। इसके अंतर्गत मांगों को निर्गत में बदला जाता है। किसी भी व्यवस्था के जीवित रहने के लिए यह आवश्यक है कि उसमें निरंतर निवेश होता रहे। निवेश के बिना कोई भी व्यवस्था कार्य नहीं कर सकती। निर्गत के बिना उसके कार्यों को समझा नहीं जा सकता।

Scanned with CamScanner